Content

: अनुक्रमणिका :

प्राक्कथन : ०२-१६

अध्याय : १ :विषय प्रवेश २१-५३

प्रास्ताविक- कथासाहित्य से तात्पर्य-उपन्यास की परिभाषा-उपन्यास के तत्व- उपन्यास के प्रकार - कहानी की परिभाषा-कहानी के तत्व- हिन्दी उपन्यास का विकास-हिन्दी कहानी का विकास-प्रमुख उपन्यासकार तथा कहानीकार- नई कहानी उपलब्धियाँ, नयी कहानी की सीमाएँ -कथासाहित्य और मानव समस्याओं का सम्बन्ध-कथाकार मन्नू भंडारी-मन्नू जी की साहित्यिक विषयक अवधारणाएँ-निष्कर्ष- और सन्दर्भानुक्रम।

अध्याय : २ : मन्नूभंडारी के उपन्यासों तथा कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन ५४-१२५

प्रास्ताविक-मन्नूजी के उपन्यास-आपका बंटी-महाभोज-एक इंच मुस्कान - स्वामी-कलवा-मन्नूजी का कहानी साहित्य- मैं हार गयी : (कहानी संग्रह) ईसा के घर इन्सान, गीत का चुम्बन, जीती बाजी की हार, एक कमजोर लड़की की कहानी, सयानी बुआ, अभिनेता, श्मशान, दीवार बच्चे और बरसात, पंडित गजाधर शास्त्री, कील और कसक, दो कलाकार, मैं हार गयी-तीन निगाहों की एक तस्वीर (कहानी संग्रह) : तीन निगाहों की एक तस्वीर, अकेली, अनथाही गहराइयां, खोटे सिक्के, घुटन, हार, मजबूरी, चश्में-यही सच है (कहानी संग्रह) : क्षय, तीसरा आदमी, सज़ा, नकली हीरे , नशा, इन्कमटेक्ष और नींद, रानी माँ का चबूतरा, यही सच है- एक प्लेट सैलाब (कहानी संग्रह) : नई नौकरी, बंद दराजों का साथ, एक प्लेट सैलाब, छत बनाने वाले, एक बार

और, संख्या के पार, बाहों का घेरा, कमरे कमरा और कमरे, ऊँचाई-त्रिशंकु (कहानी संग्रह) : आते जाते यायावर, दरार भरने की दरार, स्त्री-सुबोधिनी, शायद, त्रिशंकु, रेत की दीवार, तीसरा हिस्सा, अलगाव, एखाने - आकाश नाई, असामायिक मृत्यु-आँखों देखा झूंठ-नायक, खलनायक, विदूषक-अंकुश-निष्कर्ष-सन्दर्भानुक्रम।

अध्याय :३ : मन्नूभंडारी के कथासाहित्य में सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याएँ : १२६-१८५

प्रास्ताविक-सामाजिक समस्याएँ-पारिवारिक समस्याएँ-दाम्पत्य विघटन-सामाजिक एवं पारिवारिक सम्बन्धों में टूटन की समस्या-समाज व्यवस्था में पुरुष प्रधानता की समस्या-पुराने एवं आधुनिक संस्कारों के बीच पिसती नारी- खंडित दाम्पत्य जीवन की समस्या-खंडित दाम्पत्य में निरीह बच्चों की समस्या- दहेज की समस्या-अनमेल विवाह की समस्या-तलाक की समस्या-नैतिक मूल्यों के पतन की समस्या-प्रेम त्रिकोण की समस्या- अस्पृश्यता की समस्या-नारी विषयक विविध सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याओं का चित्रण : पुरुष द्वारा प्रताड़ित नारी की समस्या- मातृत्व सुख से वंचित नारी की समस्या- सामाजिक अन्याय और अमानवीय शोषण की समस्या-पति द्वारा पत्नी को धोखाधड़ी की समस्या-विवाह के प्रति जागरुक नारी की समस्या -पश्चिमीकरण की नकल करती नारी की समस्या-पूर्व प्रेम संबंधों का दाम्पत्य पर प्रभाव-विवाहोपरांत पत्नी और प्रेमिका की भूमिका में द्वन्द्व एवं तनाव-नारी स्वतंत्रता की समस्या- नारी ही नारी की दुश्मन- नारी की आभूषण-प्रियता की समस्या-दलितों से संबंधित सामाजिक समस्याएँ- निष्कर्ष-सन्दर्भानुक्रम।

अध्याय : ४ :मन्नू भंडारी के कथासाहित्य में मनोवैज्ञानिक समस्याएँ : १८६-२६६

प्रास्ताविक-साहित्य से मनोविज्ञान का संबंध-मनोवैज्ञानिक सिद्धांत निरूपण-विभिन्न प्रकार की ग्रंथियाँ और विकृतियाँ- अचेतन मन-दमन-अंतःक्षेपण-प्रक्षेपण-विस्थापन की समस्या-मनोवैज्ञानिक ग्रंथियों का मानवजीवन पर प्रभाव-नकारी वृत्ति और पलायनवाद-समायोजन की समस्या-आधुनिकताबोध-संवेदना से संबंधित समस्याएँ-मनोविश्लेषणात्मक पद्धति-स्वप्न विश्लेषण-निराधार प्रत्यक्षीकरण-निष्कर्ष-सन्दर्भानुक्रम।

अध्याय : ५ : मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में आर्थिक समस्याएँ : २६७-२९६

प्रास्ताविक-आर्थिक समस्याएँ : सैद्धांतिक विवेचन-गरीबी की समस्या - भाईभतीजावाद की समस्या - आर्थिक असंतुलन की समस्या-बेकारी की समस्या-आवास की समस्या-भ्रष्टाचार की समस्या-ऐलोपैथी दवा के विरोध की समस्या-आर्थिक अभाव के कारण युवकों में फैलती पलायनवृत्ति-आर्थिक रूप से स्वनिर्भर नारी के अहम् की समस्या-नौकरीपेशा नारी की समस्या-अर्थाभाव के कारण मृत्यु का आह्वान-मजदूरों और कृषकों के आर्थिक विकास की समस्या-आर्थिक विषमता के कारण पति-पत्नी के सम्बन्धों में तीव्र ह्रास व तनाव की समस्या-निष्कर्ष-सन्दर्भानुक्रम।

अध्याय : ६ : मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में राजनीतिक, धार्मिक, शैक्षिक एवं अन्य समस्याएँ : २९७-३३६

प्रास्ताविक-भ्रष्टराजनीति का चित्रण-राजनीति और भारतीय नारी-

राजनीति अपराधीकरण का पर्याय- राजनीति में नैतिक मूल्य के ह्रास की समस्या-पुलिस के हथकंडों की समस्या-पुलिस का राजनीतिकरण-राजनीति में आमजनता का शोषण- न्यायिक भ्रष्टाचार की समस्या-राजनीति में दलितों का शोषण-राजनीति में अनास्था एवं उसकी अर्थहीनता-राजनीति में सच्चे ईमानदार नेताओं की समस्या-धार्मिक समस्याएँ- धार्मिकता के नाम पर अधार्मिकता- धार्मिक अंधविश्वास की समस्या-ईश्वर में आस्था अनास्था की समस्या- शैक्षिक व अन्य समस्याएँ-जातिवाद की समस्या- अखबारों की अश्लीलता एवं झूठेपन की समस्या- महानगरीय भीड़-भाड़ एवं ध्वनिप्रदूषण की समस्या- प्रदूषित महानगरों की समस्या-व्यसनमुक्ति की समस्या-सांस्कृतिक मूल्यों के गिरावट की समस्या- निष्कर्ष-सन्दर्भानुक्रम।

अध्याय : ७ : उपसंहार : ३३७-३५१

समग्रावलोकन-उपलब्धियाँ-सीमाएँ-भविष्यत संभावनाएँ-

परिशिष्ट : १ : मन्नू जी से साक्षात्कार ३५२-३५८

परिशिष्ट : २ : ग्रंथानुक्रमणिका ३५९-३७३

(स) उपजीव्य ग्रंथों की सूची

(र) सहायक ग्रंथों की सूची (हिन्दी-अंग्रेजी)

(ग) सहायक शोध-प्रबंध एवं कोश ग्रंथों की सूची

(म) पत्र-पत्रिकाएँ।